

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ૩૮૦૦૦૪.

सत्संग परिचय - २

रविवार, १५ जुलाई, २००७

समय : दौपहर २.०० से ४.१५

कुल अंक : ७५

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ। बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी।



इस कोष्टक में
परिचय-२ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है।

☞ परीक्षार्थी की विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है। कृपिया उस पर किसी प्रकार का नुकशान मत किजिए।

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र

परीक्षार्थी का अध्यास

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइजर हस्ताक्षर करें।

वर्गसुपरवाइजर के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....
मोडरेशन विभाग माटे ७

गुण शब्दोमां
चेकर - नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. “हम अक्षरपुरुषोत्तम के लिए सबकुछ छोड़कर साधु बने हैं और उसके लिए समस्त कष्टों को सहन करते हैं।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३	
---------	--

२. “कृपया यह स्वर्ण ले जाओ और यह मेरी ओर से भगवान् स्वामिनारायण को अर्पित कर देना।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३	
---------	--

३. “हम मान पाने के लिए साधु कहाँ हुए हैं।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३	
---------	--

[उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक] [] [] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्तियां में) (कुल गुण : ६)

१. गोराधनभाई महाराज को पेड़े खिलाने के बदले खुद ही खाने लगे।

.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. गुंदाली गाँव के काठी भाईयों का मुक्तानन्द स्वामी जैसा कल्याण हुआ।

.....

.....

गुण : २	
---------	--

३. भगवान के भक्त को किसी समय कुसंग नहीं करना चाहिए ।

गण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक    केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए। (१२ पंक्ति में) (कुल गुण : ५)

१. निश्चय ।

२. गलुजी ।

३. स्वरूपानन्द स्वामी ।

().....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३	प्र-४	
----------------------------------	-------------	-------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. गुरु की अवज्ञा करने से क्या होता है ?

गुण : १

२. अरदेशर कोटवाल ने कठिनाई में क्या प्रार्थना की ?

गुण : १

३. विश्वरूप देखने की जिज्ञासा किसे हुई ?

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज ने डभाण के महायज्ञ किसके नाम से किए थे ?

गुण : १

५. श्रीजीमहाराज ने किसका गर्व गलवाया ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ विषय के मार्ग में अंधा..... - 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा

वचनामृत गढ़ा प्रथम प्रकरण - १६ का विवरण लिखिए । (कुल गुण : ५)

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. क्यारेक पोते रे

..... जमवानुं कोई त्यारे ॥ गुण : २

२. षडक्षरी मंत्र

..... जप एज थाय ॥ गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-६	प्र-७	
----------------------------------	-------------	-------	--

३. भवसंभव

.....
.....
.....

भजे सदा ॥

गुण : २

४. गुणिनां गुणवत्ताया.....विदोऽप्यथः ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....
.....
.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “यह तो भगवान् स्वामिनारायण ने सिर पर हाथ फेरा है, मैंने नहीं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

२. “आपने उसकी सेवाओं का फल दिया है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

३. “स्वामी ! क्या यह ज्ञान मुझे दे सकते हैं ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. प्रागजी भक्त ने धन का वरदान स्वीकार नहीं किया ।

गुण : २

२. पवित्रानन्द स्वामी प्रागजी भक्त को विमुख करने के लिए तैयार हुए ।

गुण : २

३. गिरधरभाई ने प्रागजी भक्त को गुरु रूप में स्वीकार कर लिया ।

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें** 

- प्र. ९ निम्नलिखित किसी एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए। (१५ पंक्ति में) (कुल गुण : ५)

१. साक्षात्कार । २. ऐश्वर्य दर्शन । ३. यज्ञपुरुषदास द्वारा भगतजी महाराज एकान्तिक पुरुष हैं, एसा प्रतिपादन ।

()

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. मालण नदी के तट में बालमित्रों के साथ बैठकर प्रागजी भक्त उन्हे क्या कहते थे ?

गुण : १

२. वडोदरा के हरिभक्तों को गोपालानन्द स्वामी ने क्या कहा ?

गुण : १

३. सच्चे शिष्य का कर्तव्य क्या है ?

गुण : १

४. प्रागजी भक्त गुणातीतानन्द स्वामी की प्रसन्नता के लिए मन्दिर में क्या क्या सेवाएँ करते थे ?

गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११		प्र-१२	
----------------------------------	--------------	--	--------	--	--------	--

५. गुणातीतानन्द स्वामी ने प्रागजी भक्त को किसकी सेवा करने के लिए कहा ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. यज्ञपुरुषदास ने जूनागढ़ में भगतजी का भव्य स्वागत कब करवाया ?

गुण : २

(१) सं. १९५३ (२) फाल्गुन शुक्ला पूर्णिमा। (३) सं. १९५२ (४) जन्माष्टमी।

२. भगतजी के अन्तिम दर्शन के लिए कौन हाजिर थे ?

गुण : २

(१) यज्ञपुरुषदासजी (२) जागा स्वामी (३) जेठा भगत (४) विज्ञानदासजी

३. संतत्व की कला अर्थात् क्या ?

गुण : २

(१) मान-अपमान में समता। (२) किसीका अभाव नहीं।

(३) वृत्ति से आत्माकार होकर अखंड श्रीजी की मूर्ति में रहे। (४) नियम-धर्म दृढ़ रहे।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. गुणातीतानन्द स्वामी ने जूनागढ़ मन्दिर की कुंचिया प्रागजी भक्त को दी।

गुण : १

२. जूनागढ़ से निकलते वक्त गुणातीतानन्द स्वामी बोले, “अब गाँव-गाँव हरिभक्तों के साथ सत्संग करूँगा और गोंडल जाकर रहूँगा।”

गुण : १

३. भगतजी महाराज और यज्ञपुरुषदासजी का प्रथम मिलन सुरत में हुआ।

गुण : १

४. भगतजी महाराज ने यज्ञपुरुषदास को पढ़ाई के लिए काशी जाने की आज्ञा दी।

गुण : १

५. धर्म ज्ञान का आधार है। ज्ञान से विवेक आता है और वैराग्य प्रगट होता है।

गुण : १

६. गुणीजन गुणकुं नव तजे, अवगुण न तजे गुलाम।

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें